

पोकरण फायरिंग रेंज में एटीजीएस तोप का परीक्षण

पोकरण/जैसलमेर, विमल भाटिया (पंजाब केसरी) : पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारत में बनी पहली उच्च क्षमता व लम्बी दूरी पर मार करने वाली तोप एटीजीएस का परीक्षण शुरू हुआ। जो अगले पांच दिनों तक चलेगा। एटीजीएस व 155 एमएम उच्च क्षमता वाली आर्टिलरी गन के उपयोग के साथ ही इसकी 60 किलोमीटर मारक क्षमता का भी परीक्षण किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों बन्दूकें अपने परीक्षण के दौरान उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन में खरी उतर रही हैं। इस परीक्षण के समय डीआरडीओ व सेना के उच्च अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। पोकरण में भारत की पहली उच्च क्षमता स्वदेशी लंबी दूरी की तोप दहाड़ मार रही है। 155 मिमी बंदूक और उन्नत टॉव आर्टिलरी गन सिस्टम परीक्षण पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ है, जो अगले पांच दिनों तक चलेगा। एएफएसएस रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से दो समांतर पटरियों पर विकसित किया जा रहा है।



5 दिन तक चलेगा गोला-बारूद की भी होगी जांच

पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में एटीजीएस तोप का परीक्षण करते हुए।

60 किमी दूरी का लक्ष्य

रक्षा सूत्रों के अनुसार पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी 155 एमएम 52 कैलिबर एएजीएस बंदूक का इस्तेमाल किया जा रहा है और लगभग 60 किलोमीटर दूरी का लक्ष्य है। विभिन्न मानकों पर फायरिंग क्षमता की जांच की जा रही है और ये बंदूकें उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन कर रही हैं। गोला बारूद की भी जांच की जा रही है। सेना की गोलीबारी क्षमता को मजबूत करने के लिए महत्वाकांक्षी बंदूक की जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में डीआरडीओ और सेना के कई वरिष्ठ अधिकारी जैसलमेर आए हैं। बंदूक में सबसे लंबी मारने की क्षमता है।

भविष्य में 155 मिमी 45 कैल धनुष को अपग्रेड करेगा

सूत्रों के अनुसार डीआरडीओ 155 मिमी 52 कैल एडवॉन्स टॉव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम (एएजीएस) विकसित कर रहा है। जो भविष्य में 155 मिमी 45 कैल धनुष को अपग्रेड करेगा। एएजीएस भारत की पहली स्वदेशी 155 मिमी 52 कैलिबर टॉव्ड तोप खाने बंदूक, दो निजी बंत्र के निगमों की एक संयुक्त परियोजना होगी। यह केवल इस तरह के राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों को देने की सामान्य प्रथा का एक उलटा है। भारतीय सेना के आर्टिलरी को जल्द ही चीन और पाकिस्तान से होने वाली नई चुनौतियों से निपटने के लिए 60 किलोमीटर से अधिक की क्षमता मारने वाले स्वदेशी बंदूक मिल जाएगी। भारत की पहली उच्च क्षमता स्वदेशी लंबी दूरी 155 मिमी बंदूक और धनुष के पूरक बंदूक ह्मलों एएजीएस (उन्नत टाउट तोपखाने बंदूक प्रणाली) उपयुक्तता परीक्षणों को फायरिंग जैसलमेर जिले में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुई है। 18 अगस्त को अपने आखिरी परीक्षणों में बंदूक ने 47.2 किमी लंबी दूरी तय की थी, जो दुनिया की सबसे लंबी दूरी थी।



Trials on for 1st indigenous long range 155mm gun

Jaisalmer: India's first high capacity indigenous long range 155mm gun and Dhanush's supplement gun ATAGS (Advanced Towed Artillery Gun System) trials began on Saturday at Pokhran Field Firing Range in Jaisalmer district. These will go on for five days. The gun in its last trials in August 18 had fired up to 47.2 km distance.

ATAGS is being developed by the Defence Research & Development Organisation (DRDO) on two parallel tracks – one prototype in partnership with Tata Power (Strategic Engineering Division) and another with Kaveri Group (Bharat Forge). The prototype that broke the record was the Tata Power (SED) gun.

Defence sources said the indigenous 155 MM/52 calibre ATAGS gun is being used at the firing range in Jaisalmer and targets at various distances which are approximately 60 kilometres away. The firing capacity is being checked on different parameters and these guns are performing as per the expectations. The ammunition is also being checked. To strengthen the firing capacity of the Army, the ambitious gun is being checked and in the coming days, many senior officers of DRDO and Army have come to Jaisalmer. The gun has world's longest hitting capacity.

Source said DRDO is developing 155 mm / 52 Cal Advanced Towed Artillery Gun System (ATAGS) that will upgrade the 155 mm / 45 Cal Dhanush in the future. The ATAGS, India's first indigenous 155mm/52-caliber towed artillery gun, will be a joint project of two private-sector corporations. This is a reversal of the usual practice of giving only state-owned companies these kinds of pricey orders.

Official said that a prototype with a new range of 50-60 kilometres, will also undergo trials, testing its abilities in different climates and terrain, along with range accuracy. The ATAGS is the world's only gun with a six-round "automated magazine" that fires a six-round burst in just 30 seconds. Most

other existing 155-millimetre, 52-calibre guns have three-round magazines, which must be reloaded after firing three rounds. Source said since most casualties are caused by artillery in the initial burst of fire, when enemy soldiers are caught in the open (and not after they dive into their trenches), a high “burst fire” capability is an important attribute. The ATAGS specifications also require it to fire 60 rounds in 60 minutes in the “sustained fire” mode.

Sources said after the gun successfully completes development and firing trials, the army is likely to procure at least 2,000 ATAGS.

<https://timesofindia.indiatimes.com/city/jaipur/trials-on-for-1st-indigenous-long-range-155mm-gun/articleshowprint/66407210.cms>